अध्याय - 1 पालमपुर गांव की कहानी

पाठ के मुख्य बिन्दु

- पालमपुर गांव में कृषि ही प्रमुख उत्पादन प्रक्रिया है। गांव में 450 परिवार रहते हैं। 150 परिवारों के पास खेती के लिए भूमि नहीं है। बाकी परिवारों के पास दो हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले छोटे भूमि के टुकड़े हैं।
- पालमपुर से निकट कस्बा रायगंज है जो 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- गांव की कुल जनसंख्या का एक तिहाई भाग दलित या अनुसूचित जातियां हैं।
- गांव में ज्यादातर भूमि के स्वामी उच्च जाति के 80 परिवार रहते हैं।
- वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए चार चीज़ आवश्यक होती हैं -भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी एवं मानव पूंजी।
- भारत में ऋतुओं को मुख्यतः तीन भागों में बांटा गया है। वर्षा ऋतु (खरीफ फसल) जिसकी अवधि जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। इसमें ज्वार, बाजरा, चावल, कपास, गन्ना आदि बोई जाती है।
- शरद ऋतु (रबी फसल) जिसकी अवधि अक्टूबर से मार्च तक रहता है। इसमें मुख्यतः गेहूं, सरसों, दालें, आलू, चना आदि उगाया जाता है।
- ग्रीष्म ऋतु (जायद फसल) इसकी अवधि मार्च से जून है। इसमें तरबूज, खीरा, फलियां आदि उगाई जाती है।
- एक ही भूमि के टुकड़े से अधिक अनाज का उत्पादन करने की विधि को बहुविध फसल प्रणाली कहते हैं।
- हरित क्रांति उदय 1960 के दशक में हुआ। जिसमें भारतीय कृषकों ने अधिक उपज वाले बीजों (HYV) के द्वारा गेहूं और चावल की खेती में वृद्धि की।
- बिजली के विस्तार से सिंचाई व्यवस्था में काफी सुधार हुआ। परिणाम स्वरुप किसान दोनों रबी और खरीफ की फसलों का उत्पादन करते हैं।
- पालमपुर गांव में भूमिहीन किसान दैनिक मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर हैं। उन्हें अपने लिए प्रतिदिन काम ढूंढते रहना पड़ता है।
- पालमपुर गांव में दो प्राथमिक विद्यालय और एक हाई स्कूल है। गांव में एक राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक निजी औषधालय भी है ।
- पालमपुर गांव में 75 प्रतिशत लोग अपनी जीविका के लिए खेती पर निर्भर है।
- भारत में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की किसानों ने खेती की आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग किया।
- भूमि एक प्राकृतिक संसाधन है इसलिए इसका सावधानी पूर्वक प्रयोग करना चाहिए। अधिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता शक्ति भी खत्म हो जाती है।
- कृषि उपज का वह भाग जो किसानों द्वारा बाजारों में बेच दिया जाता है अधिशेष कहलाता है

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. उत्पादन की पहली आवश्यकता क्या है?
a. श्रम b. भूमि
c. भौतिक पूंजी d. मानव पूंजी

2. स्थाई पूंजी और कार्यशील पूंजी किसके स्रोत हैं?
a. भौतिक पूंजी b. मानव पूंजी
c. दोनों d. इनमें से कोई नहीं।

3. पालमपुर में गैर कृषि क्रियाएं हैं-
a. परिवहन b. दुकानदारी
c. लघु विनिर्माण d. उपरोक्त सभी।

4. भूमि मापने की मानक इकाई क्या है?
a. मीटर b. नाली
c. मुट्ठी d. हेक्टेयर

5. भूमि क्या है?
a. प्राकृतिक संसाधन b. मानवीय संसाधन
c. औद्योगिक संसाधन d. पूंजीगत संसाधन

6. भारत में हरित क्रांति का उदय कब हुआ?
a. 1950 ई. b. 1960 ई.
c. 1970 ई. d. 1980 ई.

7. हरित क्रांति के दौरान किस फसल पर अधिक जोर दिया गया?
a. गेहूं एवं चावल b. गेहूं एवं चना
c. गेहूं तथा मक्का d. इनमें से कोई नहीं।

8. औजार, भवन, मशीन उदाहरण है-
a. मानव पूंजी b. स्थाई पूंजी
c. अस्थाई पूंजी d. इनमें से कोई नहीं ।

9. पालमपुर में मुख्य क्रिया क्या है?
a. डेयरी b. विनिर्माण
c. खेती d. परिवहन

10. पालमपुर गांव में विभिन्न जातियों के कितने परिवार रहते हैं?
a. 250 b. 450
c. 100 d. 400

11. पालमपुर में उच्च जाति के कितने परिवार रहते हैं?

a. 80 b. 70

b. 50 d. 90

12. पालमपुर से निकटतम कस्बा कौन सा है?

a. दुर्गापुर b. रायगंज

c. शाहपुर d. मायापुर

13. रायगंज पालमपुर से कितने किलोमीटर की दूरी पर है?

a. 4 कि.मी. b. 3 कि.मी.

c. 5 कि.मी. d. 6 कि.मी.

14. पालमपुर में अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या गांव की कुल जनसंख्या का कितना तिहाई है?

a. एक तिहाई b. पांच तिहाई

c. आठ तिहाई। d. दो तिहाई

15. पालमपुर में कितने प्राथमिक विद्यालय हैं?

a. दो b. पांच

c. चार d. आठ

16. पालमपुर में कितने हाई स्कूल हैं?

a. एक b. दो

c. तीन d. चार

17. इनमें से कौन एक स्थाई पूंजी है?

a. मुद्रा b. कच्चा माल

c. यंत्र। d. उपरोक्त सभी।

18. इनमें कौन एक गैर कृषि कार्य नहीं है?

a. दुकानदारी b. फसले उगाना

c. परिवहन d. डेयरी

19. उत्पादन के संगठन की दूसरी आवश्यकता क्या है?

a. भूमि b. श्रम

c. भौतिक पूंजी। d. कार्यशील पूंजी

20. छोटे किसान किसे कहते हैं?

a. जो खेत में रहते हैं।

b. जो अपने परिवार के साथ रहते हैं।

c. जो अपने परिवार के साथ अपने खेतों में स्वयं काम करते हैं।

d. इनमें से कोई नहीं।

21. पालमपुर का मुख्य व्यवसाय क्या है?

a. खेती करना b. मुद्रा जमा करना

c. कृषि d. फसल उगाना

22. उत्पादन का उद्देश्य क्या है?

a. वस्तुएं उपलब्ध कराना ।

b. सेवाएं उपलब्ध कराना ।

c. ऐसी वस्तुएं और सेवाएं उत्पादित करना है जिनकी हमें आवश्यकता है।

d. उपरोक्त सभी ।

23. पालमपुर में कितना प्रतिशत लोग कृषि का काम करते हैं?

a. 75 b. 80

c. 40 d. 100

24. पालमपुर गांव में बरसात के मौसम में लोग क्या उगाते हैं?

a. गेहूं एवं चना b. मक्का

c. ज्वार और बाजरा d. गेहूं और चावल

25. आधुनिक कृषि विधि में कौन से बीजों का इस्तेमाल किया जाता है?

a. HYS बीजों का b. HYV बीजों का

c. a और b दोनों। d. इनमें से कोई नहीं।

26. एक साल में किसी भूमि पर एक से ज्यादा फसल उगाने की विधि को क्या कहते हैं?

a. बहु विधि फसल प्रणाली ।

b. अंतर्राष्ट्रीय फसल प्रणाली ।

c. एकल फसल प्रणाली ।

d. उपरोक्त सभी ।

27. पालमपुर गांव में कौन-कौन सी फसल उगाई जाती है?

a. रबी फसल

b. खरीफ फसल

c. रबी और खरीफ फसल

d. इनमें से कोई नहीं।

28. कृषि के आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग भारत के किन दो राज्यों में किया गया था?

a. पंजाब और बिहार b. पंजाब और हरियाणा

c. असम d. कोलकाता

29. पालमपुर गांव में यातायात का क्या साधन था?

a. ट्रक b. बैलगाड़ी

c. भैंस बग्गी d. उपरोक्त सभी।

30. पालमपुर गांव में किसान अपनी बचत का प्रयोग किन कार्यों में करते हैं?

a. कृषि b. गैर कृषि

c. उपरोक्त दोनों d. इनमें से कोई नहीं।

31. खरीफ फसल किस मौसम में होता है?

a. गर्मी ऋतु b. वर्षा ऋतु

c. सर्दी ऋतु d. बसंत ऋतु

32. उत्पादन की कितनी इकाइयां होती हैं?

a. दो b. चार

c. पांच d. दस

33. रबी फसल की अवधि क्या है?

a. जून से अक्टूबर b. नवंबर से अप्रैल

c. अप्रैल से अगस्त d. इनमें से कोई नहीं।

34. छोटे कृषकों के लिए ऋण का मुख्य स्रोत क्या है?

a. जमींदार व बैंक
b. जमींदार व उनकी अपनी बचतें
c. धनी कृषक व बैंक
d. धनी कृषक व जमींदार

35. कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, मछली पालन, तथा खनन इत्यादि क्रियाएं कहलाती हैं?

a. चतुर्थक क्रियाएं b. तृतीयक क्रियाएं
c. द्वितीय क्रियाएं d. प्राथमिक क्रियाएं

36. पालमपुर गांव में कितने परिवार भूमिहीन है?

a. 60परिवार b. 150 परिवार
c. 75परिवार d. इनमें से कोई नहीं।

37. मानव पूंजी का दूसरा नाम क्या है?

a. भौतिक पूंजी b. कार्यशील पूंजी
c. उद्धम d. इनमें से कोई नहीं।

38. गेहूं, जौ, चना आदि किस प्रकार की फसले हैं?

a. रबी b. खरीफ
c. रबी एवं खरीफ d. इनमें से कोई नहीं।

39. कच्चा माल कहलाता है-

a. मानव पूंजी b. स्थाई पूंजी
c. कार्यशील पूंजी d. इनमें से कोई नहीं।

40. एच.वाई.वी.(HYV) का क्या तात्पर्य है?

a. अधिक उत्पादन करने वाले बीज ।
b. निम्न उत्पादन करने वाले बीज ।
c. अधिक उत्पादन करने वाले खेत ।
d. निम्न उत्पादन करने वाले खेत ।

41. मदर डेयरी कहां की एक महत्वपूर्ण सहकारी संस्था है?

a. गुजरात b. पंजाब
c. हरियाणा d. दिल्ली

42. पालमपुर गांव में श्रम की व्यवस्था कहां से होती है?

a. बड़े किसानों ।
b. मंझोले और बड़े किसानों से ।
c. छोटे किसान और भूमिहीनों से ।
d. दूसरे स्थान से श्रमिकों को बुलाकर ।

43. श्वेत क्रांति से क्या समझते हैं?

a. फलों की खेती में विकास ।
b. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि ।
c. मछली पालन में वृद्धि ।
d. फूलों की खेती में वृद्धि ।

44. सविता को ऋण किनसे मिला?

a. डाला से b. तेजपाल सिंह से
c. किशोर से d. मिश्रीलाल से

45. करीम ने कौन सा केंद्र पालमपुर में खोला है?

a. कंप्यूटर केंद्र b. दुकानदारी
c. बीज की दुकान d. इनमें से कोई नहीं।

46. कितने प्रतिशत लोग गैर कृषि कार्य में लगे हैं?

a. 75% b. 80%
c. 45% d. 25%

47. पालमपुर के छोटे किसान खेतों लिए आवश्यक पूंजी कहां से लाते हैं?

a. गांव के साहूकार b. व्यापारियों
c. a एवं b दोनों d. इनमें से कोई नहीं।

48. पालमपुर गांव में किसान एक वर्ष में कितनी फसले पैदा करते हैं ?

a. दो b. तीन
c. चार d. पांच

49. पालमपुर गांव में इनमें से क्या नहीं था?

a. प्राथमिक विद्यालय
b. राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
c. रेलवे स्टेशन
d. निजी औषधालय

50. आधुनिक कृषि विधि क्या है?

a. एक वर्ष में एक से अधिक फसल उगाना ।
b. एचआईवी बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि के प्रयोग से अधिक उपज प्राप्त करना ।
c. छह माह में तीन फसल उगाना ।
d. इनमें से कोई नही ।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1-b, 2-a, 3-d, 4-d, 5-a, 6-b,7-a, 8-b, 9-c, 10-b, 11-a, 12-c, 13-b, 14-a, 15-a, 16-a, 17-c, 18-b, 19-b, 20-c, 21-c, 22-c, 23-a, 24- c, 25-b, 26-a, 27-c, 28-b, 29-d, 30-c, 31-b, 32-c, 33-b, 34-b, 35-d, 36-b, 37-c, 38-a, 39-c, 40-a, 41-d, 42-c, 43-b, 44-a, 45-a, 46-d, 47-c, 48-b, 49-c, 50-b

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्राकृतिक संसाधन से क्या समझते हैं?

उत्तर- वह संसाधन जो हमें प्रकृति से प्रत्यक्ष रूप से मिलता है उसे प्राकृतिक संसाधन कहते हैं।

2. पालमपुर गांव में शिक्षा की क्या व्यवस्था है?

उत्तर- पालमपुर गांव में एक हाई स्कूल तथा दो प्राथमिक विद्यालय हैं।

3. एचआईवी (HYV) का क्या अर्थ है?

उत्तर- इसका अर्थ है अधिक उपज पैदा करने वाले बीज।

4. भौतिक पूंजी से क्या समझते हैं?

उत्तर- भौतिक पूंजी उन संसाधनों को कहते हैं जो हमारे रोजमर्रा के उपयोग में मदद करते हैं।

5. स्थाई पूंजी किसे कहते हैं?

उत्तर- औजार, मशीन और भावनों को स्थाई पूंजी कहते है।

6. पालमपुर गांव में कितने प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं?

उत्तर- पालमपुर गांव में 75 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं।

7. भारत में कौन-कौन सी कृषि ऋतुएं है?

उत्तर- भारत में दो कृषि ऋतुएं हैं-रबी ऋतु एवं खरीफ ऋतु।

8. हरित क्रांति का क्या हानिकारक प्रभाव है?

उत्तर- हरित क्रांति से भूमि की उर्वरा या उपज की शक्ति में कमी आ गई है।

9. रबी ऋतु में उगने वाले फसलों के नाम लिखें।

उत्तर- रबी ऋतु की फैसले-गेहूं, जौ, चना, मटर, आदि।

10. पालमपुर गांव में किसान वर्ष में कितनी फैसले उगते हैं?

उत्तर- पालमपुर गांव में किसान वर्ष में तीन फसले उगाते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उत्पादन के विभिन्न साधन कौन-कौन से हैं?

उत्तर- उत्पादन के विभिन्न साधन चार प्रकार के होते हैं-

a. भूमि-इसमें प्राकृतिक संसाधनों को शामिल किया जाता है। जैसे- भूमि, वन, खनिज, जल आदि।

b. श्रम-इसके अंतर्गत काम करने वाले मजदूरों से हैं। यह दो प्रकार का होता है। शारीरिक रूप से काम करने वाले तथा मानसिक रूप से काम करने वाले लोग।

c. पूंजी-इसका अभिप्राय भौतिक पूंजी से है। इसके अंतर्गत स्थिर पूंजी और कार्यशील पूंजी आते हैं। इसमें औजार, मशीन, भवन को स्थिर पूंजी और कच्चा माल तथा नकद मुद्रा को कार्यशील पूंजी कहा जाता है।

d. मानव पूंजी-मानव पूंजी को सबसे महत्वपूर्ण संसाधन माना गया है क्योंकि मानव ही अपनी विवेक के द्वारा भूमि, श्रम और पूंजी का उपयोग करता है।

2. बहु विध फसल प्रणाली क्या है?

उत्तर- एक वर्ष में किसी भूमि के टुकड़े पर एक से अधिक अनाज का उत्पादन करना बहुविध फसल प्रणाली कहलाता है। इसमें किसान तीनों ऋतुओं सर्दी, गर्मी और बरसात के दिनों में उत्पादन से अपने खाद्यान्न में वृद्धि करते हैं।

3. हरित क्रांति की विशेषताएं क्या है?

उत्तर- हरित क्रांति की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

a. हरित क्रांति के आने से उन्नत किस्म के बीजों का प्रयोग किया गया।

b. इसके कारण भूमि के जोतों के आकार में काफी वृद्धि हुई है।

c. कृषि में मशीनीकरण का प्रयोग किया गया।

d. इसके अंतर्गत चावल तथा गेहूं के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई।

e. सिंचाई सुविधाओं में विस्तार किया गया।

f. इसमें रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक दवाइयों का प्रयोग किया गया।

4. पालमपुर में खेतिहर श्रमिकों की मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम क्यों है?

उत्तर- पालमपुर में खेतिहर श्रमिकों की मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम होने के निम्नलिखित कारण-

a. जमींदारों और बड़े किसानों द्वारा श्रमिकों का शोषण होता है।

b. श्रमिकों को बेरोजगारी होने के कारण उन्हें न्यूनतम मजदूरी स्वीकार करने के लिए विवश होना पड़ता है।

c. आवश्यक मात्रा में रोजगार उपलब्ध नहीं होने के कारण न्यूनतम मजदूरी पर काम करना पड़ता है।

d. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का ग्रामीण क्षेत्रों में लागू नहीं होने के कारण।

5. छोटे किसान पूंजी की व्यवस्था कैसे करते हैं?

उत्तर- छोटे किसान पूंजी की व्यवस्था पैसा उधार लेकर करते हैं। वह गांव के ही बड़े किसानों, गांव के साहूकारों तथा व्यापारियों से उधार लेते हैं। जिसका ब्याज दर या सूद काफी ऊंचा होता है जिसको उन्हें लौटाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पालमपुर में बिजली के प्रसार ने किसानों की किस तरह मदद की?

उत्तर- पालमपुर गांव में विकसित गांव की झलक दिखाता है। बिजली के प्रसार ने किसानों की निम्नलिखित मदद की-

a. बिजली के प्रसार से सिंचाई सुविधाओं में बहुत बदलाव हुआ। पहले किसान कुंओं के द्वारा पानी निकाल कर खेतों की सिंचाई किया करते थे लेकिन अब वह बिजली का प्रयोग करके कम समय में अधिक खेतों की सिंचाई करते हैं।

b. बिजली के प्रसार के कारण किसान अब पूरे वर्ष अलग-अलग फसलों की खेती करते हैं।

c. किसानों को सिंचाई के लिए अब मानसून वर्षा पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मानसुनी वर्षा निश्चित नहीं होती है।

d बिजली के द्वारा वे विद्युत बल्ब, पंखे एवं मशीनों का प्रयोग घरेलू कार्यों के लिए भी करते हैं।

e. सिंचाई के लिए किसान नलकूपों एवं पंपिंग सेट का प्रयोग सिंचाई के लिए करते हैं।

2. क्या सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना महत्वपूर्ण है? क्यों?

उत्तर- हां सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि-

a. कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर्याप्त वर्षा नहीं होती है। मानसूनी वर्षा निश्चित नहीं होती ।भारत के कुछ क्षेत्रों जैसे - राजस्थान, पंजाब, दक्षिणी पठार जहां वर्षा कम होती है। इन क्षेत्रों में सिंचाई बहुत आवश्यक है इसके बिना यहां खेती करना संभव नहीं है।

b. तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए सिंचाई को बढ़ाना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

c. सिंचाई क्षेत्र को बढ़ाना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि अधिक उपज देने वाली एच. वाई. वी बीजों के लिए अधिक जल की आवश्यकता होती है।

d. इसके अलावा गेहूं, धान, गन्ना आदि कुछ खाद्य और नगदी फसलों के लिए जल की पर्याप्त एवं निरंतर आपूर्ति की जरूरत होती है।

e. कई क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां वर्षा तो होती है पर साल के कुछ दिनों तक ही केंद्रित होती है। साल का और शेष भाग सुखा ही रह जाता है इसलिए सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना जरूरी है।

3. मझोले और बड़े किसान कृषि के लिए कैसे पूंजी प्राप्त करते हैं? वह छोटे किसानों से कैसे भिन्न हैं?

उत्तर- खेती की आधुनिक तरीकों के लिए अधिक मात्रा में पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों की आधुनिक तरीके से खेती करने के लिए अधिक पैसों की आवश्यकता होती है। बड़े किसान और मझोले किसान अधिशेष कृषि उत्पादों को बेचकर खेती के लिए आवश्यक पूंजी प्राप्त करते हैं। वह अपनी कमाई का एक भाग अपने पास रख लेते हैं और उस पैसे को अगले मौसम में खेती के लिए प्रयोग करते हैं।

दूसरी तरफ छोटे किसानों को खेती के लिए पूंजी हेतु पैसे उधार लेने पड़ते हैं। ये किसान अधिकतर गांवों के ही बड़े किसानों, साहूकारों एवं व्यापारियों से उधार लेते हैं। इस तरह के ऋण की ब्याज दर बहुत ऊंची होती है इसको चुकाने के लिए वे और कर्ज में डूब जाते हैं यदि उनके उत्पादन में वृद्धि नहीं होती है।